जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 162 प्रभात जालोर, गुरूवार 18 सितम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ब्रिटेन के केवल 16 प्रतिशत लोग ट्रंप की राजनीति से सहमत हैं

बाकी जनता ट्रंप के तौर-तरीके व सोच से असहमत और सख्त खिलाफ है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- इस जनभावना से इंगलैण्ड की सरकार अनभिज्ञ नहीं है, इसीलिए ट्रंप की ब्रिटेन की यात्रा को जनता से दूर विंडसर पैलेस में रखा गया है। पूरे शान-शौकत व आनंदमयी वातावरण में तथा ट्रंप से राजनीतिक काम की बातचीत भी अगले दिन, ब्रिटेन के प्र.मंत्री के फार्म हाउस पर आयोजित की गई है।
- दूसरी ओर, लंदन में जनता गंदे व भद्दे नारे लगा रही है और प्रदर्शन कर रही है, ब्रिटेन की सरकार व ट्रंप के खिलाफ। नारों का सार है कि इंगलैण्ड की सरकार कुछ तो रीढ़ की हड्डी में दम दिखाये व साष्टांग न हो, ट्रंप के सामने, ट्रंप को अच्छे मूड में रखने के लिए, ट्रंप को लुभाने के लिए।
- मोदी के जन्म दिन पर, पुतिन ने भरपूर बधाई दी तथा यह जताने का प्रयास किया कि अमेरिका का रूस को अलग-थलग करने का प्रयास सफल नहीं हो रहा, बल्कि सभी जगह, चीन में भी एस.सी.ओ. सम्मेलन में वो सादर आमंत्रित हैं।
- भारत को भी सभी तरफ से यूरोप से भी पूर्ण मित्रता व समर्थन मिल रहा है, ट्रंप द्वारा भारत के मामले में अनुचित टैरिफ लगाने के कारण।

नई दिल्ली, 17, सितंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मंगलवार को ब्रिटेन की राजकीय यात्रा के दौरान भले ही शान-ओ-शौकत का आनंद ले रहे हों, लेकिन असल में वे एक तरह के बुलबुले में हैं, ब्रिटिश जनता से काफी दूर, जो राजधानी लंदन और देश के अन्य हिस्सों में बड़ी संख्या में इकट्ठी हुई है, इस सजे संवरे और बड़ी सावधानी पूर्वक आयोजित कार्यक्रम के प्रति अपनी नाराज़गी और निंदा जाहिर करने के लिए।

ब्रिटिश लोग छोटी, आकर्षक, तीखी और संक्षिप्त टिप्पपणियों के लिए मशहूर हैं। लंदन में एक में एक हाईप्रोफाइल विरोध मार्च के पोस्टरों पर लिखा नारा, "डंप ट्रंप" (ट्रंप को हटाओ) नारा जनता की भवना और अमेरिकी राष्ट्रपति की राजनीति के प्रति उसके गुस्से को दिखाने के लिए काफी था। यात्रा से कुछ समय पहले हुए एक जनमत सर्वेक्षण में पता चला कि केवल 16 प्रतिशत ब्रिटिश जनता ट्रंप से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इटली की प्र.मंत्री का मोदी को बधाई संदेश

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके नेतृत्व और नजरिए की प्रशंसा करते हुए कहा कि "उनकी शक्ति, संकल्प और करोडों लोगों का मार्गदर्शन करने की क्षमता" प्रेरणा का

- इटली की प्रधानमंत्री मैलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी को 75वें जन्म दिवस पर सोशल मीडिया पर बधाई दी और उन्हें प्रेरणा स्रोत बताया।

स्रोत है। अपने संदेश के साथ उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें दोनों नेता साथ नजर आ रहे हैं। इस फोटो में सैल्फी के लिये कैमरा थामे मुस्कराते हुये थोड़ा सा आगे खड़ी हैं, जबकि उनके बाईं ओर प्रधानमंत्री मोदी भी मुस्कुरा रहे हैं। यह तस्वीर दोनों नेताओं के बीच के मित्रतापूर्ण तालमेल को दर्शाती है।

सहयोगी दलों की बढ़ती मांगों से एडजस्ट नहीं कर पा रही है भाजपा बिहार में

भाजपा के रणनीतिकारों ने निजी तौर पर माना कि सहयोगियों की मांग मानी तो पार्टी कमज़ोर हो जाएगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- जद (यू) और भाजपा के बीच भी सीटों के मुद्दे पर तनाव है। इसका संकेत तब मिला जब सीटों पर चर्चा के लिए नड्डा पटना आए, पर उन्हें नीतीश से बिना मिले लौटना पड़ा।
- छोटे दलों की भी मांगें बड़ी-बड़ी हैं। चिराग पासवान 40 सीटें मांग रहे हैं। जीतनराम मांझी 20 सीटें, तो उपेन्द्र कुशवाहा की मांग भी 15 सीटों की है। पर, भाजपा इन दलों को इनकी मांग से आधी सीटें ही देना चाहती है।

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस - एनडीए) सीट बंटवारे को लेकर गहरे गतिरोध में फंसा हुआ है। नवंबर की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से कुछ ही सप्ताह पहले प्रमुख सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। कई दौर की अनौपचारिक बातचीत के बावजूद, कोई आम सहमति नहीं बन सकी है, और यह देरी गठबंधन के भीतर अनिश्चितता को और भी बढ़ा रही है।

अन्दरुनी सूत्रों के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने सहयोगियों-मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाले जनता दल (यूनाइटेड), चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम), और उपेन्द्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी-की बढ़ती मांगों को संतुलित रखने के लिये संघर्ष कर रही है। सभी दल अपने-अपने क्षेत्रीय प्रभाव का हवाला देते हुए ज्यादा सीटों की मांग कर रहे हैं, जबकि भाजपा राज्य में अपना दबदबा बनाए रखना चाहती है।

यह संकट तब और उभरकर सामने आया, जब पिछले हफ्ते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा पटना दौरे पर गए, लेकिन नीतीश कुमार से रुबरु बैठक किए बिना लौट आए। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह संवादहीनता एनडीए के दो मुख्य स्तंभों के बीच भरोसे की कमी का स्पष्ट संकेत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पराली जलाने पर कुछ किसानों को जेल भेजना, दूसरों के लिए कठोर संदेश हो सकता है'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इससे किसानों को पराली जलाने से रोका जा सकता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में हर साल अक्टूबर में गंभीर वायु प्रदूषण होने के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि किसानों की गिरफ्तारी रुटीन में नहीं होनी चाहिए। सिर्फ संदेश देने के लिए ही ऐसा किया जाना चाहिए।
- चीफ जस्टिस बी.आर. गवई ने कहा, किसान हमारे लिए खास हैं, उनकी वजह से हमें भोजन मिलता है। पर, इसका मतलब यह नहीं है कि वे इसका अनुचित लाभ उठाएं।
- ज्ञातव्य है कि अक्टूबर महीने में हरियाणा और पंजाब के किसान खेतों में पराली जलाते हैं, जिससे दिल्ली एनसीआर में हवा बहुत ज्यादा प्रदूषित हो जाती है।

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि पराली जलाने के लिए कुछ किसानों को जेल भेजने से दूसरों को एक सख्त संदेश जा सकता है और यह दूसरों के लिए एक निवारक (डिटरैंट) की तरह काम कर सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी, हर अक्टूबर में दिल्ली-एनसीआर की दमघोंटू वायु प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए की।

इससे पहले, "एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) अपराजिता सिंह ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ को बताया कि पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को सब्सिडी और उपकरण मुहैया कराए गए हैं।

उन्होंने कहा, "लेकिन किसानों की वही कहानी रहती है। पिछली बार किसानों ने कहा था कि उन्हें उस समय पराली जलाने को कहा गया था, जब उपग्रह उस क्षेत्र से नहीं गुज़र रहा था। मुझे यह कहते हुए दुःख हो रहा है कि 2018 से सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कई विस्तृत आदेश पारित किए हैं, और फिर भी हर बार किसान केवल लाचारी ही जताते हैं।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीकानेर में पूर्व पार्षद तथा व्यापारी के 6 ठिकानों पर ईडी की रेड

बीकानेर, 17 सितम्बर (निसं)। यहां फिलिस्तीन का समर्थन करने और विदेशी फंडिंग को लेकर प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई जारी है। जयपुर से आई ईडी की टीम ने छह ठिकानों पर

- पूर्व पार्षद जावेद खान के सुभाषपुरा स्थित मकान तथा व्यापारी मोहम्मद सादिक के फड़ बाजार स्थित घर पर ईडी की टीम ने पूछताछ की।

छापा मारा है। इसमें पूर्व पार्षद और एक व्यापारी भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ईडी को बीकानेर से फिलिस्तीन के समर्थन और विदेशी फंडिंग का इनपुट मिला था। कार्रवाई के लिए ईडी की टीम जयपुर से यहां मंगलवार को ही पहुंच गई थी। इसके बाद बुधवार सुबह आठ बजे टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी। मौके पर आरपीएफ के जवान भी तैनात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने ट्रंप को 37 मिनट से हराया फोन काल की प्रतिस्पर्धा में

"शो मैन" ट्रंप पूर्णतया वाकिफ हैं, "पहले मारे वो मीर" के सिद्धांत से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- भारत-पाक युद्ध में, उदाहरण के लिए, ट्रंप ने "सीज़फायर" करवाने का श्रेय लेने के लिए, सबसे पहले सोशल मीडिया पर खबर चलवा दी। और इसका फायदा वे अंत तक लेते रहे, चाहे भारत ने उच्चतम स्तर पर इस खबर का कई बार खंडन किया।
- ऐसा ही, तेहरान व तेल अवीव के युद्ध के दौरान भी ट्रंप ने करवाया।
- पर, इस बार ट्रंप नहीं कर पाये, मोदी की जन्म दिन की बधाई के "फोन कॉल" के बारे में।
- मोदी ने बधाई के फोन की खबर 10:53 पर, सोशल मीडिया पर डाली। पर, ट्रंप ऐसा 11:30 बजे ही कर पाये।
- इस "हार" से ट्रंप काफी असहज हो गए, क्योंकि वे सदा घटनाक्रम पर अपना कंट्रोल चाहते हैं, जो पहले खबर देने से स्थापित होता है।

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। आम राय यह है कि डॉनल्ड ट्रंप का फोन कॉल उस रिश्ते को फिर से पटरी पर लाने की पेशकश थी, जो बीते कुछ महीनों से इसलिये खराब था, क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति भारत द्वारा कई मुद्दों पर 'सहयोग न करने' से नाराज़ थे।

ऐसा लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रात देर से किया गये फोन कॉल, जो कि जाहिर तौर पर उनके 75वें जन्मदिन की बधाई देने के लिए था, से उस द्विपक्षीय संबंध में नई ऊर्जा आ गई है, जो भारतीय निर्यातों पर 50 प्रतिशत टैरिफ, व्यापार समझौते की असफलता और, प्रतिबंधों के बावजूद, रुस से तेल खरीदने को लेकर वाइट हाउस की नाराज़गी जैसे मुद्दों से प्रभावित हो गया था। ज्ञातव्य है कि ट्रम्प भारत द्वारा रुस से तेल की खरीद को यूक्रेन युद्ध का पोषक मान रहे हैं।

यह कॉल इसलिए भी अहम है, क्योंकि भारत ने कई मुद्दों पर अमेरिका का साथ देने से इनकार किया - जैसे कि "ऑपरेशन सिंदूर सीज़फायर" के लिए ट्रंप को ज़िम्मेदार मानना (जबकि वे नहीं थे), उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए समर्थन देना, और टैरिफ विवाद आदि।

इन सब बातों ने उस रिश्ते पर गहरा असर डाला, जिसे ज़्यादातर विश्लेषक "दुनिया की नहीं तो, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारियों में से एक" मानते हैं। इसका अंत तब दिखा, जब डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय अर्थव्यवस्था - जो कि जीडीपी के हिसाब से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है - को "मरी हुई" बता दिया था।

इसलिए ट्रंप का यह फोन कॉल बेहद अहम था, लेकिन इस कहानी में और भी कुछ है।

शायद सबसे महत्वपूर्ण बात बातचीत में नहीं, बल्कि उसके बाद सोशल मीडिया पोस्ट के समय में थी, एक तरह की 'दौड़,' जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को 37 मिनट से हरा दिया।

प्रधानमंत्री मोदी की एक्स पर पोस्ट रात 10:53 बजे आई। ट्रंप की पोस्ट ट्रुथ सोशल पर रात 11:30 बजे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्र.मंत्री की मां का एआई वीडियो हटाए कांग्रेस'

पटना, 17 सितंबर। बिहार चुनाव से पहले पटना हाई कोर्ट से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने कांग्रेस के उस एआई वीडियो, जिसमें पीएम मोदी और उनकी माँ को दिखाया गया था, को हटाने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट

- पटना हाईकोर्ट ने कांग्रेस को निर्देश दिया कि यह वीडियो सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म से हटाया जाए।

ने अब इस वीडियो को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने के लिए कहा है। ज्ञातव्य है कि कांग्रेस ने बीते दिनों पीएम मोदी और उनकी मां को लेकर एक एआई वीडियो जारी किया था।

क्या अमेरिका, भारत से संबंधों को "सामान्य" करने के बारे में वास्तव में गंभीर है?

मोदी को जन्म दिन पर, ट्रंप द्वारा बधाई का फोन करना, क्या ठोस प्रगति है?

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- शायद इस बार ठोस प्रगति के संकेत से तो लगते हैं, क्योंकि दोनों ने लम्बे समय से लटकते हुए व्यापारिक समझौते की वार्ता के कई दौर के बाद यह तो महसूस कर लिया है कि लम्बा लटकाने से किसी को फायदा नहीं। इससे केवल माहौल विषाक्त ही होता है।
- अतः, नये टैरिफ के बाद, दोनों के रिश्ते इतने खराब हो गये थे कि अब तो बातचीत की खबरें आना ही बंद सा हो गया था।
- पर, अब अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल का ट्रंप के फोन के बाद, बातचीत के लिए वापस भारत आना, यह संकेत तो है ही कि दोनों देशों के समझौते के बारे में इतने गंभीर प्रयास पहले नहीं हुए थे।

नई दिल्ली, 17, सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भेजी गई शुभकामनाएं केवल औपचारिकता नहीं थीं, बल्कि उन अवरुद्ध व्यापार वार्ताओं में नए उत्साह का संकेत थीं, जो कठोर अमेरिकी टैरिफ के कारण रुक गई थीं। दोनों नेताओं के बीच यह गर्मजोशी ऐसे समय में आई है जब महीनों बाद पहली बार दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को स्थिर मार्ग पर लाने का गंभीर प्रयास शुरू हुआ है।

मोदी ने ट्रंप की शुभकामनाओं का धन्यवाद करते हुए वॉशिंगटन के साथ "व्यापक और वैश्विक साझेदारी" को मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया और यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में अमेरिकी प्रयासों का समर्थन किया। वहीं, ट्रंप ने मोदी की सराहना करते हुए कहा कि वे "बेहतरीन कार्य" कर रहे हैं और उन्होंने भारत की रचनात्मक भूमिका को रेखांकित किया, जो कूटनीतिक पहलों को समर्थन देती रही है।

इस सार्वजनिक सद्भावना के साथ एक ठोस प्रगति भी हुई। पहली बार, कठोर टैरिफ उपायों, जैसे भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क और रूस से तेल खरीद पर 25 प्रतिशत लेवी के बाद, दोनों देशों के व्यापार वार्ताकार मंगलवार को आमने-सामने बैठे। अमेरिकी अधिकारियों ने इन चर्चाओं को "सकारात्मक" बताया, जबकि नई दिल्ली में इसे एक अहम शुरुआत माना गया, जो यह संकेत देता है कि दोनों पक्ष अब गिरते संबंधों को संभालने और साझा समाधान तलाशने के लिए इच्छुक हैं।

यह प्रगति ऐसे समय में आई है जब वॉशिंगटन से सख्त बयानबाज़ी सामने आ रही थी। कुछ दिन पहले ही अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने चेतावनी दी थी कि अगर भारत अमेरिकी कॉर्न की खरीद नहीं बढ़ाता, तो उसे अमेरिकी बाजारों तक पहुंच खोने का खतरा हो सकता है। ऐसे में अचानक रुख का नरम होना यह दर्शाता है कि भले ही दोनों देशों की स्थिति मजबूत हो, फिर भी यह मान्यता बन रही है कि लंबे समय तक टकराव दोनों की अर्थव्यवस्थाओं के हित में नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईवीएम पर उम्मीदवारों के रंगीन फोटो दिखेंगे

नयी दिल्ली, 17 सितंबर। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने इसी साल कराये जाने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मीशनी (ईवीएम) पर लगाये जाने वाले मतपत्रों पर उम्मीदवारों के

- चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव से इसकी शरुआत कर रहा है उसके बाद पूरे भारत में ऐसा ही होगा।

नाम के साथ उनकी रंगीन तस्वीरें भी रखेगा।

भविष्य में अन्य विधानसभा चुनावों और आम चुनाव में भी ईवीएम मतपत्रों में ये संशोधन दिखेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)